29 / 08 / 75 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

विधि की स्टेज पार कर

सिद्धि स्वरुप बनने का अनुभव

➢➢ मैं श्रेष्ठ आत्मा मधुबन की पावन धरनी पर हूँ...

➳_ ➳ डायमंड हॉल में बैठी अपने मीठे बापदादा से सम्मुख में अव्यक्त मिलन मना रही हूँ...

➳_ ➳ मैं स्वयं को बापदादा के बिलकुल समीप देख रही हूँ...

→ मुझे वरदानों से भरपूर करते हुए बाबा मुझे निहाल कर रहे हैं.

- मैं आत्मा चेकिंग कर रही हूँ...
- वर्तमान में आत्माएं मेरे किस स्वरुप का आह्वान कर रही हैं...
- मैं वरदानी मूर्त, विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ...
- मेरे इसी स्वरुप का चरों और आह्वान हो रहा है...
- भक्ति का आधार हिलना शुरू हो जाने पर आत्माएं मुझ शिवशक्ति स्वरुप, महादानी वरदानी देवियों को याद कर रहे हैं...
- मेरे स्नेही, ममतामयी स्वरुप का आह्वान कर रहे हैं...

➢➢ मैं प्रेम स्वरुप आत्मा हूँ...

➳_ ➳ आत्माओं को सच्चे रूहानी व निस्वार्थ स्नेह का अनुभव करवा रही हूँ...

➳_ ➳ सुख शांति की तलाश में भटकती आत्माओं को सच्चा स्नेह दे रही हूँ...

→ मैं सर्व की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली आत्मा हूँ..

→ मैं सबको मन इच्छित फल देने के निमित्त बन रही हूँ...

→ मैं अतीन्द्रिय सुख व सर्व शक्तियों के वरदान प्राप्त हुई वरदानी मूर्त आत्मा हूँ...

→ मैं मास्टर सर्व शक्तिवान अधिकारी आत्मा हूँ...

→ औरो को भी सहज सिद्धि प्राप्त करवा रही हूँ...

- मैं स्वयं की गहराई से चेकिंग कर रही हूँ...
- मैं हर सब्जेक्ट में कितनी विधि स्वरुप हूँ...
- कितनी सिद्धि स्वरुप हूँ...
- चारो सब्जेक्ट में मनसा, वाचा, कर्मना किस स्टेज तक पहुंचे हैं...

➢➢ मैं पांडव आत्मा शेष्ठ स्थिति की ऊँची स्टेज पर स्थित हूँ...

➳_ ➳ नीचे का खेल साक्षी होकर देख रही हूँ...

➳_ ➳ मैं समाधान स्वरुप आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मैं अचल अडोल आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मैं विजयी रत्न आत्मा हूँ...

→ मैं फालो फादर करने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ...

→ मैं अपने भक्तो को महादानी व वरदानी मूर्त बन निहाल कर रही हूँ...

→ अपने स्वरुप से बाबा का साक्षात्कार करवा रही हूँ...

- मैं ईश्वरीय सेवाधारी हूँ...
- मेरे हर संकल्प, बोल में सेवा समाई हुई है..
- उठते, बैठते, सोते, स्वप्न में भी सेवाधारी रूप में हूँ...
- हर सेकंड, हर श्वास को सेवा में सफल कर रही हूँ...
- मैं आत्मा मनी हूँ...
- मेरे मस्तक पर सदा मस्तक मनी चमकती रहती है...